poster for tomorrow

# FREEDOM OF MOVEMENT

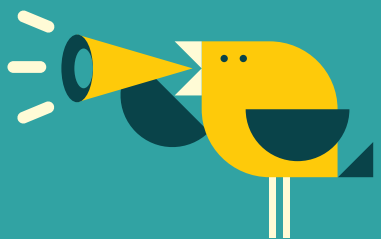

## Call for Entries: March 10 - July 10

पिछले साल के संस्करण में हमने बात की " एक ऐसी दुनिया की जहाँ सरहदों के मायने कम हो रहे है", पहले से कही ज्यादा हम अब हम एक दुनिया के लोग है | हम भौगोलिक रूप में कहीं भी रहे लेकिन युद्ध और पर्यावरणीय आपदा में हम सामान रूप से विवश है |"

हमारा विश्वास अभी भी सामान है, किन्तु दुर्भाग्यवश चूंकि पश्चिमी दुनिया के मतदाताओ ने सीमाएं बंद रखने और विदेशियों को बहार करने के लिए दीवार बनाने को मत दिया है, जिससे एक घृणा की हिंसात्मक बहस एवं भय पनपा है और लोग अपने नियंत्रण के बहार की परिस्थितियों के कारण अपना घर छोड़ कर जाने के लिए मजबूर हो गए है | युद्ध, दमन या राजनैतिक उत्पीड़न की स्तिथि में यह लोग वही कर रहे है जो शायद हम सब करेंगे, सुरक्षा की खोज में कहीं और जाना | तदापि स्वागत की जगह यह लोग शरणार्थी शिविरों में इंतज़ार के लिए बाध्य है या यूँ ही भागए जा रहे है | और वह लोग जो दूसरी जगहों पर किसी तरह जा पा रहे है उनको भी अधिकतर दूसरी जगह विस्थापित होने के लिए, शारिरिक और मौखिक दुर्व्यवहार सहना पड़ रहा है | सुरक्षा, लोकतंत्र या किसी और चीज के आधार पर इसका अनुमोदन करना असंभव है |

किसी भी मानवतावादी चिंताओं के कारण, अपनी सीमाओं को दुनिया के बाकी हिस्सों के लिए बंद करना भी काफी बेवकूफी है। जैसे Google जैसी कंपनियां अपने विदेशी कर्मचारियों को USA वापस बुलाकर दिखाती हैं, कि जरूरी नहीं सबसे अच्छे लोग 'अपने' देश के अंदर से ही आये |

इतिहास गवाह है,कि प्रवासियों ने अपने नए देशों को अपने ज्ञान, परंपराओं और संस्कृतियों के साथ समृद्ध किया है। मानव प्रयासों का कोई भी क्षेत्र नहीं है जो बाहरी प्रभाव से लाभान्वित नहीं हुआ है। यदि हम सिर्फ आंतरिक स्तर पर ध्यान देते है और बाहरी देशों पर ध्यान केंद्रित करना बंद करके, आगे बढ़ते हैं, तो हम पीछे की तरफ जाते हैं, आगे नहीं। यही मुद्दा है - कोई अन्य देश नहीं हैं, केवल हम है: पुरुष और महिलाये, जो हमारे साथी इंसानो की तुलना में दुनिया के किसी अलग हिस्से में पैदा हुए हैं।

राष्ट्रपति ट्रम्प के यात्रा पर प्रतिबंध के खिलाफ प्रदर्शनों ने विरोध के लिए एक रैली के रूप में पोस्टर और प्लाकार्ड की शक्ति को दिखाया: अब हम चाहते हैं कि आप लड़ाई शुरू करें।

अपनी वेबसाइट पर, एएमनेस्टी इंटरनेशनल घोषित करता है: "इतिहास इस बात का न्याय करेगा कि हम अपने समय के सबसे खराब मानवतावादी संकट को कैसे निपटे । यह हमारे लिए ऐसी चीजों के बचाव करने का क्षण है जो हमें मनुष्य के रूप में एकजुट करती हैं, और डर एवं पूर्वाग्रह को जीतने से रोकती है।"

यही सच है। हमें इस क्षण को गुज़रने नहीं देना चाहिए। चूंकि हमने Poster for Tomorrow के पहले अंक के बाद से ही कहा है कि एक साथ हम मजबूत हैं। अब इस मानवीय अधिकार के बारे में जागरूकता बढ़ाने का समय है: रहने के लिए एक सुरक्षित जगह की तलाश में एक नए देश में पलायन की आजादी।

**संदेश:**

विभिन्न देशों के लोग दुनिया के लिए रंग, विविधता और जीवन लाते हैं। अगर हम करीबी सीमाएं डालते हैं और उन्हें 'बाहर' रखने के लिए दीवारें बनाते है तो, हम केवल अंधकार कि ओर अग्रसर होंगें |


**Contact**

4tomorrow association
16 ESplanade nathalie sarraute - 75018 PARIS
T. +33 14205 8887

info@posterfortomorrow.org
www.posterfortomorrow.org

facebook.com/posterfortomorrow
Twitter @poster4tomorrow
skype poster4tomorrow